FD-201

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - I

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जाएंगे।

1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विवेचनात्मक लेख लिखिए। 15

अथवा

हिन्दी साहित्य के काल विभाजन पर विभिन्न विद्वानों का मत देते हुए संक्षिप्त निबंध लिखिए।

2. साहित्य के विषय में विस्तार से व्याख्या कीजिए। 15

अथवा

रासो काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए इस परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है। इस कथन की तर्क सहित विवेचना कीजिए। 15

अथवा

भक्तिकाल की सांस्कृतिक चेतना पर लेख लिखिए।

4. कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

ज्ञानमार्ग काव्य धारा की परम्परा, प्रवृत्ति एवं विकास पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

5. निम्नांकित में से किन्हीं **दो पर** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2

(क) प्रेम मार्गी काव्य धारा

(ख) राम भक्ति काव्य धारा

(ग) नाथ साहित्य

(घ) लौकिक साहित्य

(ङ) साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्या

6. निम्नांकित में से किन्हीं **दस** अति लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(क) आदिकाल का दूसरा नाम क्या है ?

(ख) आधुनिक काल को कितने भागों में बांटा गया है ?

(ग) मलिक मोहम्मद जायसी किस शाखा के कवि हैं ?

(घ) हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास किसने लिखा ?

(ङ) पृथ्वीराज रासो महाकाव्य के रचयिता का नाम बताइए।

(च) आदिकाल के दो प्रमुख बौद्ध सिद्ध कवियों के नाम बताइए।

(छ) नाथ सम्प्रदाय के दो प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

(ज) गार्सा द तासी की इतिहास लेखन परम्परा को किसने आगे बढ़ाया ?

(झ) द्विवेदी युग किसके नाम पर जाना जाता है ?

(ञ) भक्तिकाल का दूसरा नाम लिखिए।

(ट) किसी एक रासोकाव्य का नाम लिखिए।

(ठ) प्रमुख ज्ञानमार्गी कवि कौन हैं ?

FD-202

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(रासो काव्य, लौकिक एवं निर्गुण काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) मनहुं कला ससिभान, कला सोलह सो बन्निय।
बाल बेस ससि ता समीप, अम्रित रस पिन्निय॥
बिगसि कमल म्रिग भ्रमर, बैन षंजन मग लुट्टिय।
हरि कीट अरु बिम्ब, मोति नष सिष अहिघट्टिय॥

छप्पति गयन्द हरि हंस गति, बिह बनाय संचै सजिय।

पदमिनिय रूप पदमावतिय, मनहुं काम कामिनि
राचि॥

अथवा

देख–देख राधा रूप अपार।

अपुरूब के बिहि आनि मिला ओल, खिति–तल
लावनि–सार॥

अंगहि अंग अनँग मुरछायत, हेरए पड़ए अथीर।

मनमथ कोटि–मंथन करू जे जन, से हेरि महि–
मधि गीर॥

कत कत लखिमी चरन–तल ने ओछए, रंगिनी हेरि
विभोरि।

करू अभिलाख मनहि पद पंकज, अहोनिसि कोर
अगोरि॥

(ख) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।

लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार॥

राम नाम के पटतरै, देबै को कछु नाहिं।

क्या ले गुरु संतोषिए, हौंस रही मन मांहि॥

अथवा

मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहिं आहि।
अब मन रामहिं ह्वै रह्या, सीस नवाबौं काहि॥
तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ॥

(ग) पिउ वियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले पिउ पीउ॥
अधिक काम दाधै सो रामा। हरि लेइ सुवा गएउ पिउ नामा॥
बिरह बान तस लाग न डोली। रक्त पसीज, भीजि गई चोली॥
सूखा हिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी॥
खन एक आव पेट महँ! सासा। खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा॥

अथवा

रोइ गँवाए बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक साँसा॥
तिल तिल बरख बरख पर जाई! पहर पहर जुग जुग न सेराई॥
सो नहिं आवै रूप मुरारी। जासों पाव सोहाग सुनारी॥
सांझ भए झुरि झुरि पथ हेरा। कौनि सो घरि करै पिउ फेरा॥
दहि कोइला भइ कंत सनेहा। तोला माँसु रही नहि देहा॥

2. रासो काव्य परम्परा में 'पृथ्वीराज रासो' के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

'पद्मावती समय' की नायिका पद्मावती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. कबीर के समाज सुधारक रूप का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

जायसी के 'काव्य-सौष्ठव' का वर्णन कीजिए।

4. विद्यापति की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

संत काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(*i*) प्रेमाश्री शाखा की विशेषताएं लिखिए।

(*ii*) रसखान की भाषा की विशेषताएं लिखिए।

(*iii*) निर्गुण काव्य-धारा की चार विशेषताएं लिखिए।

(*iv*) रहीम के दो नीतिपरक दोहे लिखिए।

(*v*) मीराबाई की भक्ति-भावना को लिखिए।

(*vi*) रैदास की भक्ति-भावना को समझाइए।

(*vii*) अमीर खुसरो की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*viii*) रसखान की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*ix*) 'सबद' का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

(*x*) अद्वैत का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'कबीर ग्रंथावली' पुस्तक के संपादक कौन हैं?

(*ii*) कबीर के गुरु का नाम क्या है?

(*iii*) प्रेममार्गी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?

(*iv*) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?

(*v*) 'अखरावट' किसकी रचना है?

(*vi*) 'पद्मावत' में हीरामन तोता किसका प्रतीक है?

(*vii*) रसखान के अराध्य कौन थे ?

(*viii*) 'विद्यापति पदावली' पुस्तक के संपादक कौन हैं ?

(*ix*) मीराबाई के गुरु कौन थे ?

(*x*) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(*xi*) कबीर को वाणी का डिक्टेटर किसने कहा है ?

(*xii*) 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' किस कवि की पंक्ति है ?

(*xiii*) पहेलियों के कारण कौन प्रसिद्ध हुए ?

(*xiv*) कौन सी रचना में रसखान ने अपने को शाही खानदान का कहा है ?

(*xv*) 'रास पंचाध्यायी' किसकी रचना है ?

(*xvi*) अवधी भाषा में लिखित किसी एक महाकाव्य का नाम लिखिए।

(*xvii*) 'पृथ्वीराज रासो' महाकाव्य के नायक का नाम लिखिए।

(*xviii*) हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग किस काल को कहते हैं ?

(*xix*) कृष्णभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

(*xx*) नन्द के नन्दन कहाँ पर धीरे-धीरे मुरली बजा रहे हैं ?

———

FD-203

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - III

द्विवेदी युगीन एवं छायावाद काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) निरख सखी ये खंजन आए,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये।
फैला उनके तन का आतप मन से सर सरसाये,
घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये।
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर से ये बन्धूक सुहाये।

अथवा

एक तुम, यह विस्तृत भूखंड,
प्रकृति वैभव से भरा अमंद।
कर्म का भोग, भोग का कर्म,
यही जड़ का चेतन आनन्द।
अकेले तुम कैसे असहाय,
यजन कर सकते? तुच्छ विचार।
तपस्वी! आकर्षण से हीन,
कर सके नहीं आत्म-विस्तार।

(ख) है अमां निशा, उगलता गगन घन अन्धकार,
खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन-चार,
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यान मग्न, केवल जलती मशाल।
स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय,
रह-रह उठता जग-जीवन में रावण-जय भय।

अथवा

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका!
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा संकुचित-काय,
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर,
हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

(ग) विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली,
मैं नीर भरी दु:ख की बदली!

अथवा

सीमा ही लघुता का बन्धन
है अनादि तू मत घड़ियाँ गिन
मैं दृग के अक्षय कोषों से-
तुझमें भरती हूँ आँसू जल!

सहज-सहज मेरे दीपक जल!
तुम असीम तेरा प्रकाश चिर,
खेलेंगे नव खेल निरन्तर,
तम के अणु-अणु में विद्युत-सा,
अमिट चित्र अंकित करता चल,
सरल-सरल मेरे दीपक जल!

2. 'साकेत' महाकाव्य के आधार पर उर्मिला के विरह वर्णन की विशेषताएं लिखिए। 10

अथवा

'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के आधार पर 'श्रद्धा' के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य की छायावादी काव्य दृष्टि से समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'राम की शक्तिपूजा' के काव्य वैभव पर प्रकाश डालिए।

4. ''महादेवी वर्मा विरह, वेदना एवं करुणा की कवयित्री हैं।'' सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

रुपक काव्य की दृष्टि से कामायनी की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) श्रीधर पाठक की काव्यगत विशेषताएं

(*ii*) सुमित्रानंदन पंत – सुकोमल कल्पना के कवि

(*iii*) जगन्नाथदास रत्नाकर का कृत्तित्व

(*iv*) मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख रचनाएं

(*v*) निराला और मुक्तछंद

(*vi*) मुकुटधर पाण्डेय का कृतित्व

(*vii*) हरिऔध का 'प्रियप्रवास'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** अति लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) कामायनी के प्रथम सर्ग का नाम लिखिए।

(*ii*) राष्ट्र कवि की उपमा किसे दी गई है ?

(*iii*) 'आधुनिक युग की मीरा' किसे कहा जाता है ?

(*iv*) 'साकेत' में कितने सर्ग हैं ?

(*v*) 'सरोज स्मृति' में चित्रित 'सरोज' निराला की कौन हैं ?

(*vi*) जीवन का सर्वांगीण चित्रण किस काव्य प्रकार में किया जाता है ?

(*vii*) 'मनोविनोद' किसकी रचना है ?

(*viii*) 'वैदेही वनवास' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(*ix*) छत्तीसगढ़ के उस कवि का नाम लिखिए जिसे छायावाद का प्रवर्तक भी माना जाता है।

(*x*) 'उद्धवशतक' के लेखक कौन हैं ?

(*xi*) 'लोकायतन' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(*xii*) अरविंद दर्शन से प्रभावित कवि का नाम लिखिए।

———

FD-204

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - IV

आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ और प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) त्याग और क्षमा, तप और विद्या-तेज और सम्मान के लिए है। लोहे और सोने के सामने सिर झुकाने के लिए हम लोग ब्राह्मण नहीं बने हैं। हमारी दी हुई विभूति से हमीं को अपमानित किया जाय, ऐसा नहीं हो सकता। कात्यायन! अब केवल पाणिनी से काम न चलेगा। अर्थशास्त्र और दंड-नीति की आवश्यकता है।

(ख) राजा कभी किसी का दोस्त नहीं होता। वह कभी एक की पीठ थपथपाता है तो कभी दूसरे की। वह देखेगा कि दस्तकार सिर उठाने लगे हैं तो वह सामन्तों और गिरजेवालों की पीठ थपथपायेगा! जब देखेगा कि गिरजेवाले सिर उठा रहे हैं तो दस्तकारों की पीठ थपथपा देगा।

(ग) लेकिन शेष मेरा दायित्व लेंगे
बाकी सभी ....
मेरा दायित्व, वह स्थित रहेगा
हर मानव-मन के उस वृत्त में
जिसके सहारे वह
सभी परिस्थितियों का अतिक्रमण करते हुए
नूतन निर्माण करेगा पिछले ध्वंशों पर!
मर्यादायुक्त आचरण में
नित नूतन सृजन में
निर्भयता के,
साहस के,
ममता के,
रस के
क्षण में
जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार-बार!

(घ) जानकी का युग इस देश से कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमा है, तब तक वही है। तुम्हारे लिए जानकी पौराणिक है, इसलिए असत्य हैं। मेरे लिए वह भावगम्य हैं, उनके भीतर मेरी सारी समस्याएँ, सारे समाधान हैं। रात में तुम अविश्वास कर सकते हो, जानकी में अविश्वास का अधिकार तुम्हें नहीं है।

(ङ) भला पुछिए इन अक्ल के ठेकेदारों से कि क्या लड़कों और लड़कियों की पढ़ाई एक बात है। अरे मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना, अगर औरतें भी वही करने लगीं, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगीं और 'पालिटिक्स' वगैरह पर बहस करने लगीं, तब तो हो चुकी गृहस्थी! जनाब, मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं; शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।

(च) ओ आदमी जी भर खा-पी नहीं सकता; हँस-हँसा नहीं सकता, वह जिंदगी में कर ही क्या सकता है। दुख और मुसीबतों के बंधन ही क्या कम हैं, जो जिंदगी को शिष्टाचार की बेड़ियों से जकड़ दिया जाए - यह न करो, वो न करो; ऐसे न बोलो, वैसे न बोलो; यों न बैठो त्यों न बैठो - इन वर्जनाओं का कहीं अंत भी है?

2. 'कार्नेलिया' पात्र की भूमिका स्पष्ट करते हुए सोदाहरण चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

अथवा

नाट्य-तत्वों के आधार पर 'अंधा युग' नाटक का वैशिष्ट्य उद्घाटित कीजिए।

3. ''ताँबे के कीड़े' एकांकी एब्सर्ड (अमूर्त) नाटक है।'' सोदाहरण सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

एकांकी तत्वों के आधार पर 'एक दिन' एकांकी की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

4. चरितात्मक कृति के परिप्रेक्ष्य में 'आवारा मसीहा' कृति की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'जूठन' आत्मकथात्मक कृति की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु

(*ii*) हानूश पात्र की चरित्रगत विशेषताएँ

(*iii*) महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय

(*iv*) मालविका पात्र की भूमिका

(*v*) 'तौलिए' एकांकी का उद्देश्य

(*vi*) जगदीशचन्द्र माथुर का साहित्यिक परिचय

(*vii*) लक्ष्मीनारायण मिश्र की एकांकी कला

(*viii*) 'रीढ़ की हड्डी' के नाम की सार्थकता

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(*i*) राक्षस किस नाटक का पात्र है?

(*ii*) मगध का राजा कौन था?

(*iii*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के लेखक कौन हैं?

(*iv*) कात्या किसकी पत्नी है?

(*v*) पाठ्यक्रम में सम्मिलित कौन-सा एकांकी समस्या नाटक है?

(*vi*) अश्वत्थामा किसका पुत्र था?

(*vii*) हानूश नाटक में कितने अंक हैं?

(*viii*) 'कारवाँ' एकांकी संग्रह के लेखक कौन हैं?

(*ix*) 'उमा' किस एकांकी की पात्र है?

(*x*) 'पथ के साथी' किस कोटि की कृति है?

(*xi*) 'सुवासिनी' पात्र किस नाटक से सम्बन्धित है?

(*xii*) पाठ्यक्रम में सम्मिलित भुवनेश्वर का कौन-सा एकांकी है ?

(*xiii*) काव्यनाटक कोटि की कौन-सी कृति पाठ्यक्रम में है ?